परती भूमि के सर्वेक्षण से वैज्ञानिको को मिलेगी खेती की नई समझ : डॉ. रहमान

परती भूमि के सर्वेक्षण से मिलती है खेती की नयी समझ : डॉ रहमान

मौके पर उपस्थित पदाधिकारी .

उपस्थित कृषि विज्ञान केंद्र के प्रमुख व अन्य .

प्रतिनिधि, जमुई

परती भूमि के सर्वेक्षण से वैज्ञानिकों को खेती की नयी समझ मिलती है. उक्त बातें कृषि विज्ञान केंद्र व राष्ट्रीय भूमि सर्वेक्षण कार्यालय कोलकाता द्वारा आयोजित एक दिवसीय कर्मशाला के उद्घाटन सत्र में एनबीएसएस कोलकाता के क्षेत्रीय प्रमुख डॉ एफएच रहमान ने कही. उन्होंने कहा कि बिहार सरकार के कृषि विभाग ने पूरे बिहार के परती भूमि के सर्वेक्षण के जिम्मेवारी दी है. सर्वेक्षण का कार्य सैटेलाइट के माध्यम से किया जा रहा है और लगभग समाप्ति पर है. इस दौरान जो डाटा निकल कर आ रहा है इसकी पुष्टि कृषि विज्ञान केंद्रों के द्वारा की जानी है. सैटेलाइट से प्राप्त डाटा का आकलन एवं पुष्टि हेतू मूल्यांकन करने संबंधित इस कर्मशाला का आयोजन किया गया है और इसमें कृषि विज्ञान केंद्र जमुई मुख्य भूमिका निभा रहा है. कृषि विज्ञान केंद्र प्रमुख डॉ सुधीर कुमार सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में पटना, बांका, गया, पूर्णिया, मधुबनी, पूर्वी चम्पारण, पश्चिम चम्पारण के केंद्र प्रमुख ने भाग लिया और अपने विचार व्यक्त किये. उन्होंने बताया कि अभी तकनीकी सैटेलाइट डाटा के अनुसार जमुई में लगभग 55000 हेक्टेयर भूमि परती है, जिसका मूल्यांकन दो माह के अंदर किया जायेगा. कार्यक्रम में बिहार पशु विज्ञान विश्व विद्यालय पटना के निदेशक डॉ एके ठाकुर, भरतीय कृषि अनुसंधान परिषद् अटारी पटना के डॉ डीवी सिंह, जिला कृषि पदाधिकारी ब्रजेश कुमार, सहायक निदेशक भूमि संरक्षण, कृषि केंद्र जमुई के वैज्ञानिक डॉ प्रमोद सिंह, रूबी कुमारी सहित कई लोग उपस्थित थे.

हिन्दुस्तान

आयोजन | कृषि विज्ञान केन्द्र एवं राष्ट्रीय भूमि सर्वेक्षण कार्यालय कोलकाता की ओर से एक दिवसीय कर्मशाला में दी गई विस्तार से जानकारी

सर्वेक्षण से वैज्ञानिकों को मिलेगी खेती की नई समझ

कार्यक्रम

बरहट, निज संवाददाता । परती भूमि के सर्वेक्षण से कृषि वैज्ञानिकों को खेती की नई समझ मिलेगी। उक्त बातें कृषि विज्ञान केन्द्र एवं राष्ट्रीय भूमि सर्वेक्षण कार्यालय कोलकाता द्वारा आयोजित एक दिवसीय कर्मशाला के उद्घाटन सत्र में एन बी एस एस के क्षेत्रीय प्रमुख डॉ एफ एच रहमान ने कही। उन्होंने कहा की बिहार सरकार के कृषि विभाग ने सम्पुर्ण बिहार के परती भूमि के सर्वेक्षण की जिम्मेवारी दी है। सर्वेक्षण का कार्य सैटेलाइट के माध्यम से किया जा रहा है। यह कार्य लगभग समाप्ति पर है । जो डाटा निकल कर आ रहा है इसकी पुष्टि कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा किया जाना है। सैटेलाइट से प्राप्त डाटा का आंकलन एवं पुष्टि के मूल्यांकन करने इस कर्मशाला का आयोजन किया गया है। जिसमें कृषि विज्ञान केन्द्र जमुई मुख्य भुमिका निभा रहा है । केंन्द्र प्रमुख डॉ सुधीर कुमार सिंह ने बताया की आज का ये कार्यरम जिले मे जेनेक्स होटल मे आयोजित किया गया जिसमे बिहार के आठ जिलो के कृषि विज्ञान केन्द्रो यथा पटना, बाँका, गया, पूर्णिया, मधुबनी, पूर्वी चम्पारण एवं प चम्पारण के केन्द्र प्रमुखो ने भाग लिया एवं अपने विचार व्यक्त किये । उन्होंने बताया कि अभी तक के सैटेलाइट डाटा के अनुसार जमुई मे लगभग 55000 हेक्टर भूमि परती है। जिसका मूल्यांकन दो माह के अंदर किया जायेगा । उक्त कार्यरम में बिहार पशु विज्ञान विश्व विद्यालय पटना के निदेशक डॉ ए के ठाकुर, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् अटारी पटना के डॉ डी वी सिंह, जिला कृषि पदाधिकारी, सहायक निदेशक भूमि संरक्षण, केन्द्र के वैज्ञानिक ने भाग लिया।

- जिले में 55 हजार हेक्टेयर भूमि है परती, कई विभाग को जिम्मेदारी
- सेटेलाइट डाटा के अनुसार किया जा रहा है सर्वेक्षण का कार्य

बुधवार को आयोजित एकदिवसीय कार्यक्रम में शामिल केंद्र प्रमुख और अतिथि।